doubtnut
India's Number 1 Education App

HINDI

BOOKS - X BOARDS

HINDI (COURSE B) 2017

Outside Delhi Term Ii Set I

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती। इसके आगे सारी

समस्याएँ बौनी हैं. लेकिन समस्या एक प्रतिभा को खुद दूसरी प्रतिभा से होती है। बहुगुखी प्रतिभा का होना, अपने भीतर एक प्रतिभा के बजाय दूसरी प्रतिभा को खड़ा करना है। इससे हमारा नुकसान होता है। कितना और कैसे?

मन की दुनिया की एक विशेषज्ञ कहती हैं कि बहुमुखी होना आसान है, बजाय एक खास विषय का विशेषज्ञ होने की तुलन में | बहुमुखी लोग स्पर्धा से घबराते हैं। कई विषयों पर उनकी पकड़ इसलिए होती है कि वे एक में स्पर्धा होने पर दूसरे को और भगते हैं। वे आलोचना से भी डरते हैं और काम में तारीफ़ सुनना चाहते हैं।बहुमुखी लोगों में सबसे महान माने जाने वाले माइकल एंजेलो से लेकर अपने यहाँ रवीन्द्रनाथ टैगोर जैसे कई लोग थे, लेकिन आज ऐसे लोगों की पूछ-परख कम होती हैं। ऐसे लोग प्रतिभाशालीआज भी माने जाते हैं .

लेकिन असफल होने की आशंका उनके लिए अधिक होती है। आज वे लोग 'विंची सिंड्रोम' से पीड़ित माने जाते हैं, जिनकी पकड़ दो-तीन या इससे ज्यादा क्षेत्रों में हो,लेकिन हर क्षेत्र में उनसे बेहतर उम्मीदवार मौजूद हों।

बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों के भीतर कई कामों को साकार करने की इच्छा बहुत तीव्र होती है। उनकी उत्सुकता उन्हें एक से दूसरे क्षेत्र में हाथ आजमाने को बाध्य करती है। समस्याए तब होती है, जब यह हाथ आजमाना दखल करने जैसा हो जाता है। वे न इधर के रह जाते हैं, और न उधर के। प्रबंधन की दुनिया में एक के साधे सब साधे, सब साधे सब जाए' क मंत्र ही शुरू से प्रभावी है। यहाँ उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता, जो सारे अण्डे एक टोकरी में न रखने की बात करता है। हम दूसरे क्षेत्रों में हाथ आजमा सकते हैं,पर

एक क्षेत्र के महारथी होने में ब्रेकर की भूमिका न अदा करें।

बहुमुखी प्रतिभा क्या है? प्रतिभा से समस्या कब, कैसे हो जाती है?

View Text Solution

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती। इसके आगे सारी समस्याएँ बौनी हैं. लेकिन समस्या एक प्रतिभा को खुद दूसरी प्रतिभा से होती है। बहुगुखी प्रतिभा का होना, अपने भीतर एक प्रतिभा के बजाय दूसरी प्रतिभा को खड़ा करना है। इससे

हमारा नुकसान होता है। कितना और कैसे?

मन की दुनिया की एक विशेषज्ञ कहती हैं कि बहुमुखी होना आसान है, बजाय एक खास विषय का विशेषज्ञ होने की तुलन में | बहुमुखी लोग स्पर्धा से घबराते हैं। कई विषयों पर उनकी पकड़ इसलिए होती है कि वे एक में स्पर्धा होने पर दूसरे को और भगते हैं। वे आलोचना से भी डरते हैं और काम में तारीफ़ सुनना चाहते हैं।बहुमुखी लोगों में सबसे महान माने जाने वाले माइकल एंजेलो से लेकर अपने यहाँ रवीन्द्रनाथ टैगोर जैसे कई लोग थे, लेकिन आज ऐसे लोगों की पूछ-परख कम होती हैं। ऐसे लोग प्रतिभाशालीआज भी माने जाते हैं . लेकिन असफल होने की आशंका उनके लिए अधिक होती है। आज वे लोग 'विंची सिंड्रोम' से पीड़ित माने जाते हैं, जिनकी पकड़ दो-तीन या इससे ज्यादा क्षेत्रों में हो,लेकिन हर

क्षेत्र में उनसे बेहतर उम्मीदवार मौजूद हों।

बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों के भीतर कई कामों को साकार करने की इच्छा बहुत तीव्र होती है। उनकी उत्सुकता उन्हें एक से दूसरे क्षेत्र में हाथ आजमाने को बाध्य करती है। समस्याए तब होती है, जब यह हाथ आजमाना दखल करने जैसा हो जाता है। वे न इधर के रह जाते हैं, और न उधर के। प्रबंधन की दुनिया में एक के साधे सब साधे, सब साधे सब जाए' क मंत्र ही शुरू से प्रभावी है। यहाँ उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता, जो सारे अण्डे एक टोकरी में न रखने की बात करता है। हम दूसरे क्षेत्रों में हाथ आजमा सकते हैं,पर एक क्षेत्र के महारथी होने में ब्रेकर की भूमिका न अदा करें।

बहुमुखी प्रतिभा वालों की किन कमियों की ओर संकेत है?

View Text Solution

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती। इसके आगे सारी समस्याएँ बौनी हैं. लेकिन समस्या एक प्रतिभा को खुद दूसरी प्रतिभा से होती है। बहुगुखी प्रतिभा का होना, अपने भीतर एक प्रतिभा के बजाय दूसरी प्रतिभा को खड़ा करना है। इससे हमारा नुकसान होता है। कितना और कैसे?

मन की दुनिया की एक विशेषज्ञ कहती हैं कि बहुमुखी होना आसान है, बजाय एक खास विषय का विशेषज्ञ होने की तुलन में | बहुमुखी लोग स्पर्धा से घबराते हैं। कई विषयों पर उनकी पकड़ इसलिए होती है कि वे एक में स्पर्धा होने पर

दूसरे को और भगते हैं। वे आलोचना से भी डरते हैं और काम में तारीफ़ सुनना चाहते हैं।बहुमुखी लोगों में सबसे महान माने जाने वाले माइकल एंजेलो से लेकर अपने यहाँ रवीन्द्रनाथ टैगोर जैसे कई लोग थे, लेकिन आज ऐसे लोगों की पूछ-परख कम होती हैं। ऐसे लोग प्रतिभाशालीआज भी माने जाते हैं . लेकिन असफल होने की आशंका उनके लिए अधिक होती है। आज वे लोग 'विंची सिंड्रोम' से पीड़ित माने जाते हैं, जिनकी पकड़ दो-तीन या इससे ज्यादा क्षेत्रों में हो,लेकिन हर क्षेत्र में उनसे बेहतर उम्मीदवार मौजूद हों।

बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों के भीतर कई कामों को साकार करने की इच्छा बहुत तीव्र होती है। उनकी उत्सुकता उन्हें एक से दूसरे क्षेत्र में हाथ आजमाने को बाध्य करती है। समस्याए तब होती है, जब यह हाथ आजमाना दखल करने

जैसा हो जाता है। वे न इधर के रह जाते हैं, और न उधर के। प्रबंधन की दुनिया में एक के साधे सब साधे, सब साधे सब जाए' क मंत्र ही शुरू से प्रभावी है। यहाँ उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता, जो सारे अण्डे एक टोकरी में न रखने की बात करता है। हम दूसरे क्षेत्रों में हाथ आजमा सकते हैं,पर एक क्षेत्र के महारथी होने में ब्रेकर की भूमिका न अदा करें। बहुमुखी प्रतिभागियों की पकड़ किन क्षेत्रों में होती है और उनकी असफलता की संभावना क्यों है ?

View Text Solution

4. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती। इसके आगे सारी समस्याएँ बौनी हैं. लेकिन समस्या एक प्रतिभा को खुद दूसरी प्रतिभा से होती है। बहुगुखी प्रतिभा का होना, अपने भीतर एक प्रतिभा के बजाय दूसरी प्रतिभा को खड़ा करना है। इससे हमारा नुकसान होता है। कितना और कैसे?

मन की दुनिया की एक विशेषज्ञ कहती हैं कि बहुमुखी होना आसान है, बजाय एक खास विषय का विशेषज्ञ होने की तुलन में | बहुमुखी लोग स्पर्धा से घबराते हैं। कई विषयों पर उनकी पकड़ इसलिए होती है कि वे एक में स्पर्धा होने पर दूसरे को और भगते हैं। वे आलोचना से भी डरते हैं और काम

में तारीफ़ सुनना चाहते हैं।बहुमुखी लोगों में सबसे महान माने जाने वाले माइकल एंजेलो से लेकर अपने यहाँ रवीन्द्रनाथ टैगोर जैसे कई लोग थे, लेकिन आज ऐसे लोगों की पूछ-परख कम होती हैं। ऐसे लोग प्रतिभाशालीआज भी माने जाते हैं . लेकिन असफल होने की आशंका उनके लिए अधिक होती है। आज वे लोग 'विंची सिंड्रोम' से पीड़ित माने जाते हैं, जिनकी पकड़ दो-तीन या इससे ज्यादा क्षेत्रों में हो,लेकिन हर क्षेत्र में उनसे बेहतर उम्मीदवार मौजूद हों।

बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों के भीतर कई कामों को साकार करने की इच्छा बहुत तीव्र होती है। उनकी उत्सुकता उन्हें एक से दूसरे क्षेत्र में हाथ आजमाने को बाध्य करती है। समस्याए तब होती है, जब यह हाथ आजमाना दखल करने जैसा हो जाता है। वे न इधर के रह जाते हैं, और न उधर के।

प्रबंधन की दुनिया में एक के साधे सब साधे, सब साधे सब जाए' क मंत्र ही शुरू से प्रभावी है। यहाँ उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता, जो सारे अण्डे एक टोकरी में न रखने की बात करता है। हम दूसरे क्षेत्रों में हाथ आजमा सकते हैं,पर एक क्षेत्र के महारथी होने में ब्रेकर की भूमिका न अदा करें। ऐसे लोगों का स्वभाव कैसा होता है और वे प्रायः सफल क्यों नहीं हो पाते?

View Text Solution

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती। इसके आगे सारी समस्याएँ बौनी हैं. लेकिन समस्या एक प्रतिभा को खुद दूसरी प्रतिभा से होती है। बहुगुखी प्रतिभा का होना, अपने भीतर एक प्रतिभा के बजाय दूसरी प्रतिभा को खड़ा करना है। इससे हमारा नुकसान होता है। कितना और कैसे?

मन की दुनिया की एक विशेषज्ञ कहती हैं कि बहुमुखी होना आसान है, बजाय एक खास विषय का विशेषज्ञ होने की तुलन में | बहुमुखी लोग स्पर्धा से घबराते हैं। कई विषयों पर उनकी पकड़ इसलिए होती है कि वे एक में स्पर्धा होने पर दूसरे को और भगते हैं। वे आलोचना से भी डरते हैं और काम में तारीफ़ सुनना चाहते हैं।बहुमुखी लोगों में सबसे महान माने जाने वाले माइकल एंजेलो से लेकर अपने यहाँ रवीन्द्रनाथ टैगोर जैसे कई लोग थे, लेकिन आज ऐसे लोगों की पूछ-परख

कम होती हैं। ऐसे लोग प्रतिभाशालीआज भी माने जाते हैं . लेकिन असफल होने की आशंका उनके लिए अधिक होती है। आज वे लोग 'विंची सिंड्रोम' से पीड़ित माने जाते हैं, जिनकी पकड़ दो-तीन या इससे ज्यादा क्षेत्रों में हो,लेकिन हर क्षेत्र में उनसे बेहतर उम्मीदवार मौजूद हों।

बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों के भीतर कई कामों को साकार करने की इच्छा बहुत तीव्र होती है। उनकी उत्सुकता उन्हें एक से दूसरे क्षेत्र में हाथ आजमाने को बाध्य करती है। समस्याए तब होती है, जब यह हाथ आजमाना दखल करने जैसा हो जाता है। वे न इधर के रह जाते हैं, और न उधर के। प्रबंधन की दुनिया में एक के साधे सब साधे, सब साधे सब जाए' क मंत्र ही शुरू से प्रभावी है। यहाँ उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता, जो सारे अण्डे एक टोकरी में न रखने की

बात करता है। हम दूसरे क्षेत्रों में हाथ आजमा सकते हैं,पर एक क्षेत्र के महारथी होने में ब्रेकर की भूमिका न अदा करें।

प्रबंधन के क्षेत्र में कैसे लोगों की आवश्यकता होती है? क्यों ?

View Text Solution

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती। इसके आगे सारी समस्याएँ बौनी हैं. लेकिन समस्या एक प्रतिभा को खुद दूसरी प्रतिभा से होती है। बहुगुखी प्रतिभा का होना, अपने भीतर एक प्रतिभा के बजाय दूसरी प्रतिभा को खड़ा करना है। इससे

हमारा नुकसान होता है। कितना और कैसे?

मन की दुनिया की एक विशेषज्ञ कहती हैं कि बहुमुखी होना आसान है, बजाय एक खास विषय का विशेषज्ञ होने की तुलन में | बहुमुखी लोग स्पर्धा से घबराते हैं। कई विषयों पर उनकी पकड़ इसलिए होती है कि वे एक में स्पर्धा होने पर दूसरे को और भगते हैं। वे आलोचना से भी डरते हैं और काम में तारीफ़ सुनना चाहते हैं।बहुमुखी लोगों में सबसे महान माने जाने वाले माइकल एंजेलो से लेकर अपने यहाँ रवीन्द्रनाथ टैगोर जैसे कई लोग थे, लेकिन आज ऐसे लोगों की पूछ-परख कम होती हैं। ऐसे लोग प्रतिभाशालीआज भी माने जाते हैं . लेकिन असफल होने की आशंका उनके लिए अधिक होती है। आज वे लोग 'विंची सिंड्रोम' से पीड़ित माने जाते हैं, जिनकी पकड़ दो-तीन या इससे ज्यादा क्षेत्रों में हो,लेकिन हर

क्षेत्र में उनसे बेहतर उम्मीदवार मौजूद हों।

बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों के भीतर कई कामों को साकार करने की इच्छा बहुत तीव्र होती है। उनकी उत्सुकता उन्हें एक से दूसरे क्षेत्र में हाथ आजमाने को बाध्य करती है। समस्याए तब होती है, जब यह हाथ आजमाना दखल करने जैसा हो जाता है। वे न इधर के रह जाते हैं, और न उधर के। प्रबंधन की दुनिया में एक के साधे सब साधे, सब साधे सब जाए' क मंत्र ही शुरू से प्रभावी है। यहाँ उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता, जो सारे अण्डे एक टोकरी में न रखने की बात करता है। हम दूसरे क्षेत्रों में हाथ आजमा सकते हैं,पर एक क्षेत्र के महारथी होने में ब्रेकर की भूमिका न अदा करें।

आशय स्पष्ट कीजिए :

'प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती'।

View Text Solution

7. निर्देशानुसार वाक्य-रूपांतरण कीजिए :

बह बगल के कमरे से कुछ बरतन ले आया। तौलिय से बरतन साफ किए। (संयुक्त वाक्य में)

View Text Solution

8. निर्देशानुसार वाक्य-रूपांतरण कीजिए :

लिखकर अभ्यास करने से कुछ भूल नहीं सकते। (मिश्र वाक्य गे)

View Text Solution

9. निर्देशानुसार वाक्य-रूपांतरण कीजिए :

सीमा पर लड़ने वाले सैनिक ऐसे हैं कि जान हथेली पर लिए रहते है। (सरल वाक्य में)

View Text Solution

10. (क) निम्नलिखित शब्दों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए :

(i) चंद्रचंद्रमुख (ii) पुष्पमाला

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद' बनाकर समास का नाम

लिखिए :

(i) पानी की चक्की (ii) महान जो पुरुष

View Text Solution

11. निम्नलिखित मुहावरों का प्रयोग इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए :

प्राण सूखना, बुतेटाई से बाहर होना।

View Text Solution

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

शेख अयाज के पिता भोजन छोड़कर क्यों उठ खड़े हुए ?'अब कहाँ दूसरे के दुःख से दुःखी होने वाले' पाठ के अधार पर लिखिए।

View Text Solution

13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना ताँबे से क्यों की गई है ? 'पतझर में टूटी पत्तियाँ' पाठ के आधार पर लिखिए।

View Text Solution

14. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

'कारतूरा'' पाठ में सआदत अली को किस प्रकार का व्यक्ति बताया गया है?

View Text Solution

15. जापान में मानसिक रोग के क्या कारण बताए गए हैं ? उससे होने वाले प्रभाव का उल्लेख करते हुए लिखिए कि इसमें 'टी सेरेमनी' की क्या उपयोगिता है।

View Text Solution

16. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

असल में दोनों काल मिथ्या हैं। एक चचला गया है, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वहीं सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय पीते-पीते उस दिन मेरे दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था। और वह अनंत काल जितना विस्तृत था।

गद्यांश में किन दो कालों के बारे में बात गई है और उनकी क्या विशेषता है?

View Text Solution

17. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

असल में दोनों काल मिथ्या हैं। एक चचला गया है, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वहीं सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय पीते-पीते उस दिन मेरे दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था। और वह अनंत काल जितना विस्तृत था।

लेखक ने किस काल को सत्य माना है और क्यों ?

View Text Solution

18. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

असल में दोनों काल मिथ्या हैं। एक चचला गया है, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वहीं सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय पीते-पीते उस दिन मेरे दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था। और वह अनंत काल जितना विस्तृत था।

गद्यांश से लेखक क्या समझाना चाहता है ?

View Text Solution

19. बिहारी ने ग्रीष्म ऋतु की तुलना किससे की है ? प्राणियों पर उसका क्या प्रभाव पड़ता है ?

View Text Solution

20. मनुष्यता' कविता में कवि ने सबको एक होकर चलने की प्रेरणा क्यों दी है?

View Text Solution

21. आत्मत्राण' कविता में कोई सहायक न मिलने पर कवि की क्या प्रार्थना है?

View Text Solution

22. कर चले हम फिदा' कविता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए उसका प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

23. पढ़ाई में तेज होने पर भी कक्षा में दो बार फेल हो जाने पर टोपी के साथ घर पर या विद्यालय में जो व्यवहार हुआ उस पर मानवीय मूल्यों की दृष्टि से टिप्पणी कीजिए।

View Text Solution

24. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :

पुस्तकें पढ़ने की आदत

• पढ़ने की घटती प्रवृत्ति

• कारण और हानि

• पढ़ने की आदत से लाभ

View Text Solution

25. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :

कम्प्यूटर हमारा मित्र

• क्या है

• विद्यार्थियों के लिए उपयोग

• सुझाव

View Text Solution

26. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :

स्वास्थ्य की रक्षा

- आवश्यकता
- पोषक भोजन
- लाभकारी सुझाव

View Text Solution

27. विद्यालय के गेट पर मध्यावकाश के समय ठेले और रेहड़ी वालों द्वारा जंक फूड बेचे जाने की शिकायत करते हुए

प्रथानाचार्य को पत्र लिखकर उन्हें रोकने का अनुरोध कीजिए।

View Text Solution

28. विद्यालय में छुट्टी के दिनों में भी प्रातःकाल में योग की अभ्यास कक्षाएँ चलने की सूचना देते हुए इच्छुक विद्यार्थियों द्वारा अपना नाम देने हेतु सूचना-पट्ट के लिए एक सूचना लगभग 30 शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

29. सड़क पर टहलते हुए आपको एक बैग मिला, जिसमें कुछ रुपये,मोबाइल फोन तथा अन्य कई महत्वपूर्ण कागजात थे। लगभग 25 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए कि अधिकारी व्यक्ति आपसे सम्पर्क कर अपना बैग ले जाए।

View Text Solution

Outside Delhi Term Ii Set Ii

1. निर्देशानुसार वाक्य-रूपान्तरण कीजिए :

वह रोज व्यायाम करता है, इसलिए स्वस्थ रहता है।

(सरल वाक्य में)

View Text Solution

2. निर्देशानुसार वाक्य-रूपान्तरण कीजिए :

परिश्रमी व्यक्ति कभी खाली नहीं बैठता। (मिश्र वाक्य में)

View Text Solution

3. निर्देशानुसार वाक्य-रूपान्तरण कीजिए :

आज्ञाकारी श्याम माता-पिता की सेवा करता है।

(संयुक्त वाक्य में)

View Text Solution

4. (क) निम्नलिखित शब्दों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए :

(i) तीसरी कसम (ii) दिन-रात

(ख) निम्नलिखित शब्दों को समस्त-पद बनाकर समास का नाम लिखिए।

(i) मुख है जो चन्द्र के सम (ii) तीन राहों का समूह

View Text Solution

5. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए:

बेराह चलना, अन्धे के हाथ बटेर लगना।

View Text Solution

6. "बिहारी के दोहे' के आधार पर लिखिए कि माला जपने और तिलक लगाने से क्या होता है। ईश्वर किससे प्रसन्न रहते हैं।

View Text Solution

7. विद्यालय की कार्यानुभव-प्रयोगशाला में बनी मोमबत्तियाँ तथा अन्य उपयोगी वस्तुओं की बिक्री हेतु लगभग 25 शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए।

View Text Solution

Outside Delhi Term Ii Set Iii

1. निर्देशानुसार वाक्य-रूपान्तरण कीजिए :

कर्म करने वाले को फल की इच्छा नहीं करनी चाहिए।

(मिश्र वाक्य में)

View Text Solution

2. निर्देशानुसार वाक्य-रूपान्तरण कीजिए :

जो विद्वान् और सत्यवादी हैं उनका सर्वत्र सम्मान होता है।

(सरल वाक्य में)

View Text Solution

3. निर्देशानुसार वाक्य-रूपान्तरण कीजिए :

आकाश में बादल छाते ही घनघोर वर्षा होने लगी।

(संयुक्त वाक्य में)

View Text Solution

4. (क) निम्नलिखित शब्दों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए :

(i) महाजन (ii) जलप्रदूषण

(ख) निम्नलिखित शब्दों को समस्त-पद बनाकर समास का नाम लिखिए :

(i) नीला है जो गगन (ii) आस और पास

View Text Solution

5. निम्नलिखित मुहावरों का प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए :

बाट जोहना, सुध-बुध खोना

View Text Solution

6. सच्चे मन में 'ईश्वर बसते हैं' इस भाव के सन्दर्भ में बिहारी के दोहे का भाव स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution

7. विद्यालय के 'रंगायन' द्वारा प्रस्तुत नाटक के बारे में नाम, पात्र,दिन, समय, टिकट-दर आदि की सूचना देते हुए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 25 शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

Delhi Term Ii Set I

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

पता नहीं क्यों, उनकी कोई नौकरी लम्बी नहीं चलती थी। मगर इससे वह न तो परेशान होते, न आतंकित, और न ही कभी निराशा उनके दिमाग में आती। यह बात उनके दिमाग में आई कि उन्हें अब नौकरी के चक्कर में रहने की बजाय अपना काम शुरू करना चाहिए। नई ऊँचाई तक पहुँचने का उन्हें यही रास्ता दिखाई दिया। सत्य हैं, जो बड़ा सोचता है,वही

एक दिन बड़ा करके भी दिखाता है और आज इसी सोच के कारण उनकी गिनती बड़े व्यक्तियों में होती है। हम अक्सर इंसान के छोटे-बड़े होने की बातें करते हैं, पर दरअसल इंसान की सोच ही उसे छोटा या बड़ा बनाती है। स्वेट मार्डेन अपनी पुस्तक 'बड़ी सोच का बड़ा कमाल' में लिखते हैं कि यदि आप दरिद्रता की सोच को ही अपने मन में स्थान दिये रहेंगे, तो आप कभी धनी नहीं बन सकते, लेकिन यदि आप अपने मन में अच्छे विचारों को ही स्थान देंगे और दरिद्रता,नीचता आदि कुविचारों की ओर से मुँह मोड़े रहेंगे और उनको अपने मन में कोई स्थान नहीं देंगे, तो आपकी उन्नति होती जाएगी और समृद्धि के भवन में आप आसानी से प्रवेश कर सकेंगे। 'भारतीय चिंतन में ऋषियों ने ईश्वर के संकल्प मात्र से सृष्टि रचना को स्वीकार किया है और यह संकेत दिया है कि व्यक्ति

जैसा बनना चाहता है, वैसा बार-बार सोचे। व्यक्ति जैसा सोचता है, वह वैसा ही बन जाता है। सफलता की ऊँचाइयों को छूने वाले व्यक्तियों का मानना है कि सफलता उनके मस्तिष्क से नहीं, अपितु उनकी सोच से निकलती है। व्यक्ति में सोच की एक ऐसी जादुई शक्ति है कि यदि वह उसका उचित प्रयोग करे, तो कहाँ से कहाँ पहुँच सकता है। इसलिए सदैव बड़ा सोचें, बड़ा सोचने से बड़ी सोच द्वारा बड़े आदमी बन जाएँगे। इसके लिए हैजलिट कहते हैं महान सोच जब कार्यरूप में परिणत हो जाती है, तब वह महान कृति बन जाती है।

गद्यांश में किस प्रकार के व्यक्ति के बारे में चर्चा की गई है। ऐसे व्यक्ति ऊँचाई तक पहुँचने का क्या उपाय अपनाते हैं ?

View Text Solution

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

पता नहीं क्यों, उनकी कोई नौकरी लम्बी नहीं चलती थी। मगर इससे वह न तो परेशान होते, न आतंकित, और न ही कभी निराशा उनके दिमाग में आती। यह बात उनके दिमाग में आई कि उन्हें अब नौकरी के चक्कर में रहने की बजाय अपना काम शुरू करना चाहिए। नई ऊँचाई तक पहुँचने का उन्हें यही रास्ता दिखाई दिया। सत्य हैं, जो बड़ा सोचता है,वही एक दिन बड़ा करके भी दिखाता है और आज इसी सोच के कारण उनकी गिनती बड़े व्यक्तियों में होती है। हम अक्सर इंसान के छोटे-बड़े होने की बातें करते हैं, पर दरअसल इंसान

की सोच ही उसे छोटा या बड़ा बनाती है। स्वेट मार्डेन अपनी पुस्तक 'बड़ी सोच का बड़ा कमाल' में लिखते हैं कि यदि आप दरिद्रता की सोच को ही अपने मन में स्थान दिये रहेंगे, तो आप कभी धनी नहीं बन सकते, लेकिन यदि आप अपने मन में अच्छे विचारों को ही स्थान देंगे और दरिद्रता,नीचता आदि कुविचारों की ओर से मुँह मोड़े रहेंगे और उनको अपने मन में कोई स्थान नहीं देंगे, तो आपकी उन्नति होती जाएगी और समृद्धि के भवन में आप आसानी से प्रवेश कर सकेंगे। 'भारतीय चिंतन में ऋषियों ने ईश्वर के संकल्प मात्र से सृष्टि रचना को स्वीकार किया है और यह संकेत दिया है कि व्यक्ति जैसा बनना चाहता है, वैसा बार-बार सोचे। व्यक्ति जैसा सोचता है, वह वैसा ही बन जाता है। सफलता की ऊँचाइयों को छूने वाले व्यक्तियों का मानना है कि सफलता उनके

मस्तिष्क से नहीं, अपितु उनकी सोच से निकलती है। व्यक्ति में सोच की एक ऐसी जादुई शक्ति है कि यदि वह उसका उचित प्रयोग करे, तो कहाँ से कहाँ पहुँच सकता है। इसलिए सदैव बड़ा सोचें, बड़ा सोचने से बड़ी सोच द्वारा बड़े आदमी बन जाएँगे। इसके लिए हैजलिट कहते हैं महान सोच जब कार्यरूप में परिणत हो जाती है, तब वह महान कृति बन जाती है।

गद्यांश में समृद्धि और उन्नति के लिए क्या सुझाव दिये गए हैं?

View Text Solution

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

पता नहीं क्यों, उनकी कोई नौकरी लम्बी नहीं चलती थी। मगर इससे वह न तो परेशान होते, न आतंकित, और न ही कभी निराशा उनके दिमाग में आती। यह बात उनके दिमाग में आई कि उन्हें अब नौकरी के चक्कर में रहने की बजाय अपना काम शुरू करना चाहिए। नई ऊँचाई तक पहुँचने का उन्हें यही रास्ता दिखाई दिया। सत्य हैं, जो बड़ा सोचता है,वही एक दिन बड़ा करके भी दिखाता है और आज इसी सोच के कारण उनकी गिनती बड़े व्यक्तियों में होती है। हम अक्सर इंसान के छोटे-बड़े होने की बातें करते हैं, पर दरअसल इंसान की सोच ही उसे छोटा या बड़ा बनाती है। स्वेट मार्डेन अपनी

पुस्तक 'बड़ी सोच का बड़ा कमाल' में लिखते हैं कि यदि आप दरिद्रता की सोच को ही अपने मन में स्थान दिये रहेंगे, तो आप कभी धनी नहीं बन सकते, लेकिन यदि आप अपने मन में अच्छे विचारों को ही स्थान देंगे और दरिद्रता,नीचता आदि कुविचारों की ओर से मुँह मोड़े रहेंगे और उनको अपने मन में कोई स्थान नहीं देंगे, तो आपकी उन्नति होती जाएगी और समृद्धि के भवन में आप आसानी से प्रवेश कर सकेंगे। 'भारतीय चिंतन में ऋषियों ने ईश्वर के संकल्प मात्र से सृष्टि रचना को स्वीकार किया है और यह संकेत दिया है कि व्यक्ति जैसा बनना चाहता है, वैसा बार-बार सोचे। व्यक्ति जैसा सोचता है, वह वैसा ही बन जाता है। सफलता की ऊँचाइयों को छूने वाले व्यक्तियों का मानना है कि सफलता उनके मस्तिष्क से नहीं, अपितु उनकी सोच से निकलती है। व्यक्ति

में सोच की एक ऐसी जादुई शक्ति है कि यदि वह उसका उचित प्रयोग करे, तो कहाँ से कहाँ पहुँच सकता है। इसलिए सदैव बड़ा सोचें, बड़ा सोचने से बड़ी सोच द्वारा बड़े आदमी बन जाएँगे। इसके लिए हैजलिट कहते हैं महान सोच जब कार्यरूप में परिणत हो जाती है, तब वह महान कृति बन जाती है।

भारतीय विचारधारा में संकल्प और चिंतन का क्या महत्व है?

View Text Solution

4. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

पता नहीं क्यों, उनकी कोई नौकरी लम्बी नहीं चलती थी। मगर इससे वह न तो परेशान होते, न आतंकित, और न ही कभी निराशा उनके दिमाग में आती। यह बात उनके दिमाग में आई कि उन्हें अब नौकरी के चक्कर में रहने की बजाय अपना काम शुरू करना चाहिए। नई ऊँचाई तक पहुँचने का उन्हें यही रास्ता दिखाई दिया। सत्य हैं, जो बड़ा सोचता है,वही एक दिन बड़ा करके भी दिखाता है और आज इसी सोच के कारण उनकी गिनती बड़े व्यक्तियों में होती है। हम अक्सर इंसान के छोटे-बड़े होने की बातें करते हैं, पर दरअसल इंसान की सोच ही उसे छोटा या बड़ा बनाती है। स्वेट मार्डेन अपनी पुस्तक 'बड़ी सोच का बड़ा कमाल' में लिखते हैं कि यदि आप दरिद्रता की सोच को ही अपने मन में स्थान दिये रहेंगे, तो आप कभी धनी नहीं बन सकते, लेकिन यदि आप अपने मन

में अच्छे विचारों को ही स्थान देंगे और दरिद्रता,नीचता आदि कुविचारों की ओर से मुँह मोड़े रहेंगे और उनको अपने मन में कोई स्थान नहीं देंगे, तो आपकी उन्नति होती जाएगी और समृद्धि के भवन में आप आसानी से प्रवेश कर सकेंगे। 'भारतीय चिंतन में ऋषियों ने ईश्वर के संकल्प मात्र से सृष्टि रचना को स्वीकार किया है और यह संकेत दिया है कि व्यक्ति जैसा बनना चाहता है, वैसा बार-बार सोचे। व्यक्ति जैसा सोचता है, वह वैसा ही बन जाता है। सफलता की ऊँचाइयों को छूने वाले व्यक्तियों का मानना है कि सफलता उनके मस्तिष्क से नहीं, अपितु उनकी सोच से निकलती है। व्यक्ति में सोच की एक ऐसी जादुई शक्ति है कि यदि वह उसका उचित प्रयोग करे, तो कहाँ से कहाँ पहुँच सकता है। इसलिए सदैव बड़ा सोचें, बड़ा सोचने से बड़ी सोच द्वारा बड़े आदमी

बन जाएँगे। इसके लिए हैजलिट कहते हैं महान सोच जब कार्यरूप में परिणत हो जाती है, तब वह महान कृति बन जाती है।

गद्यांश में किस जादुई शक्ति की बात की गई है ? उसके क्या परिणाम हो सकते हैं ?

View Text Solution

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

पता नहीं क्यों, उनकी कोई नौकरी लम्बी नहीं चलती थी। मगर इससे वह न तो परेशान होते, न आतंकित, और न ही

कभी निराशा उनके दिमाग में आती। यह बात उनके दिमाग में आई कि उन्हें अब नौकरी के चक्कर में रहने की बजाय अपना काम शुरू करना चाहिए। नई ऊँचाई तक पहुँचने का उन्हें यही रास्ता दिखाई दिया। सत्य हैं, जो बड़ा सोचता है,वही एक दिन बड़ा करके भी दिखाता है और आज इसी सोच के कारण उनकी गिनती बड़े व्यक्तियों में होती है। हम अक्सर इंसान के छोटे-बड़े होने की बातें करते हैं, पर दरअसल इंसान की सोच ही उसे छोटा या बड़ा बनाती है। स्वेट मार्डेन अपनी पुस्तक 'बड़ी सोच का बड़ा कमाल' में लिखते हैं कि यदि आप दरिद्रता की सोच को ही अपने मन में स्थान दिये रहेंगे, तो आप कभी धनी नहीं बन सकते, लेकिन यदि आप अपने मन में अच्छे विचारों को ही स्थान देंगे और दरिद्रता,नीचता आदि कुविचारों की ओर से मुँह मोड़े रहेंगे और उनको अपने मन में

कोई स्थान नहीं देंगे, तो आपकी उन्नति होती जाएगी और समृद्धि के भवन में आप आसानी से प्रवेश कर सकेंगे। 'भारतीय चिंतन में ऋषियों ने ईश्वर के संकल्प मात्र से सृष्टि रचना को स्वीकार किया है और यह संकेत दिया है कि व्यक्ति जैसा बनना चाहता है, वैसा बार-बार सोचे। व्यक्ति जैसा सोचता है, वह वैसा ही बन जाता है। सफलता की ऊँचाइयों को छूने वाले व्यक्तियों का मानना है कि सफलता उनके मस्तिष्क से नहीं, अपितु उनकी सोच से निकलती है। व्यक्ति में सोच की एक ऐसी जादुई शक्ति है कि यदि वह उसका उचित प्रयोग करे, तो कहाँ से कहाँ पहुँच सकता है। इसलिए सदैव बड़ा सोचें, बड़ा सोचने से बड़ी सोच द्वारा बड़े आदमी बन जाएँगे। इसके लिए हैजलिट कहते हैं महान सोच जब कार्यरूप में परिणत हो जाती है, तब वह महान कृति बन

जाती है।

'सफलता' और 'आतंकित' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और प्रत्यय का उल्लेख कीजिए।

View Text Solution

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

पता नहीं क्यों, उनकी कोई नौकरी लम्बी नहीं चलती थी। मगर इससे वह न तो परेशान होते, न आतंकित, और न ही कभी निराशा उनके दिमाग में आती। यह बात उनके दिमाग में आई कि उन्हें अब नौकरी के चक्कर में रहने की बजाय

अपना काम शुरू करना चाहिए। नई ऊँचाई तक पहुँचने का उन्हें यही रास्ता दिखाई दिया। सत्य हैं, जो बड़ा सोचता है,वही एक दिन बड़ा करके भी दिखाता है और आज इसी सोच के कारण उनकी गिनती बड़े व्यक्तियों में होती है। हम अक्सर इंसान के छोटे-बड़े होने की बातें करते हैं, पर दरअसल इंसान की सोच ही उसे छोटा या बड़ा बनाती है। स्वेट मार्डेन अपनी पुस्तक 'बड़ी सोच का बड़ा कमाल' में लिखते हैं कि यदि आप दरिद्रता की सोच को ही अपने मन में स्थान दिये रहेंगे, तो आप कभी धनी नहीं बन सकते, लेकिन यदि आप अपने मन में अच्छे विचारों को ही स्थान देंगे और दरिद्रता,नीचता आदि कुविचारों की ओर से मुँह मोड़े रहेंगे और उनको अपने मन में कोई स्थान नहीं देंगे, तो आपकी उन्नति होती जाएगी और समृद्धि के भवन में आप आसानी से प्रवेश कर सकेंगे।

'भारतीय चिंतन में ऋषियों ने ईश्वर के संकल्प मात्र से सृष्टि रचना को स्वीकार किया है और यह संकेत दिया है कि व्यक्ति जैसा बनना चाहता है, वैसा बार-बार सोचे। व्यक्ति जैसा सोचता है, वह वैसा ही बन जाता है। सफलता की ऊँचाइयों को छूने वाले व्यक्तियों का मानना है कि सफलता उनके मस्तिष्क से नहीं, अपितु उनकी सोच से निकलती है। व्यक्ति में सोच की एक ऐसी जादुई शक्ति है कि यदि वह उसका उचित प्रयोग करे, तो कहाँ से कहाँ पहुँच सकता है। इसलिए सदैव बड़ा सोचें, बड़ा सोचने से बड़ी सोच द्वारा बड़े आदमी बन जाएँगे। इसके लिए हैजलिट कहते हैं महान सोच जब कार्यरूप में परिणत हो जाती है, तब वह महान कृति बन जाती है।

गद्यांश से दो मुहावरे चुनकर उनका वाक्य प्रयोग कीजिए।

View Text Solution

7. निर्देशानुसार वाक्य रूपान्तरण कीजिए :

वह फल खरीदने गया। वहाँ से फल लेकर आ गया।

(संयुक्त वाक्य में)

View Text Solution

8. निर्देशानुसार वाक्य रूपान्तरण कीजिए :

चाय पीने की यह एक विधि है। जापानी में उसे चा-नो-यू

कहते हैं।

(मिश्र वाक्य मे)

View Text Solution

9. निर्देशानुसार वाक्य रूपान्तरण कीजिए :

भारतीय सैनिक ऐसे हैं कि कोई उनकी बराबरी नहीं कर सकता।

(सरल वाल्य में)

View Text Solution

10. (क) निम्नलिखित शब्दों का विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए :

(i) नीलकमल (ii) घुड़साल

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए :

(i) नया जो आभूषण (ii) गगन में विचरण करने वाला

View Text Solution

11. निम्नलिखित मुहावरों का प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो:

मुठभेड़ होना, एक-एक शब्द को चाट जाना।

View Text Solution

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

शुद्ध सोना और गिन्नी के सोने में क्या अन्तर है ?

View Text Solution

13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

काठगोदाम के पास भीड़ क्यों इकट्ठी हो गई थी?

View Text Solution

14. जी अली कौन था ? उसके चरित्र की क्या विशेषताएँ हैं ? अपने शब्दों में सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution

15. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

खुद ऊपर चढ़े और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें,यही महत्व की बात है। यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है। समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों जैसा

कुछ है तो आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है। व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है।

महत्व की बात क्या है और क्यों ?

View Text Solution

16. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

खुद ऊपर चढ़े और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें,यही महत्व की बात है। यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है। समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों जैसा कुछ है तो आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है।

व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है।

शाश्वत मूल्य क्या हैं ? इन मूल्यों से समाज को क्या लाभ है?

View Text Solution

17. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

खुद ऊपर चढ़े और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें,यही महत्व की बात है। यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है। समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों जैसा कुछ है तो आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है।

व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है।

समाज को पतन की ओर ले जाने वाले लोग कौन हैं?

View Text Solution

18. बिहारी के दोहों की रचना मुख्यतः किन भावों पर आधारित है? उनके मुख्य ग्रंथ और भाषा के नाम का उल्लेख कीजिए।

View Text Solution

19. मनुष्यता' कविता में कैसी मृत्यु को सुगृत्य कहा गया है और क्यों?

View Text Solution

20. कर चले हम फिदा' कविता में धरती को दुलहन क्यों कहा गया है?

View Text Solution

21. 'आत्मत्राण' शीर्षक का अर्थ बताते हुए उसकी सार्थकता, कविता के सन्दर्भ में स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution

22. सपनों के से दिन' पाठ में पीटी सर की किन चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख किया गया है ? वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में स्वीकृत मान्यताओं और पाठ में वर्णित युक्तियों के सम्बन्ध में अपने विचार जीवन मूल्यों की दृष्टि से व्यक्त कीजिए।

View Text Solution

23. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :

अपनी भाषा प्यारी भाषा

- अपनी भाषा का परिचय
- प्यारी क्यों है?
- अन्य भाषाओं से मेल

View Text Solution

24. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :

स्वच्छता अभियान

• क्या है

• क्यों और कैसे

• सुझाव

View Text Solution

25. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :

लड़कियों की शिक्षा

• समाज में लड़कियों का स्थान

• शिक्षा की अनिवार्यता और बाधाएँ

• सबका सहयोग

View Text Solution

26. आए दिन बस चालकों की असावधानी के कारण हो रही दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए।

View Text Solution

27. विद्यालय में साहित्यिक क्लब के सचिव के रूप में 'प्राचीर' पत्रिका के लिए लेख, कविता, निबन्ध आदि विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत करने हेतु सूचना पट के लिए एक सूचना लगभग 30 शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

28. अपनी पुरानी पुस्तकें गरीब विद्यार्थियों में सबसे कम दामों में वितरण करने के लिए एक विज्ञापन लगभग 25 शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

Delhi Term Ii Set Ii

1. निर्देशानुसार वाक्य रूपान्तरण कीजिए :

चाय तैयार हुई, उसने वह प्यालों में भरी (संयुक्त वाक्य में)

View Text Solution

2. निर्देशानुसार वाक्य रूपान्तरण कीजिए :

बाहर बेढब-सा एक मिट्टी का बरतन था। उसमें पानी भरा हुआ था। (मिश्र वाक्य में)

View Text Solution

3. निर्देशानुसार वाक्य रूपान्तरण कीजिए :

अँगीठी सुलगाई और उस पर चायदानी रखी। (सरल याक्य में)

View Text Solution

4. (क) निम्नलिखित शब्दों का विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए:

(i) वाद्य यंत्र (ii) न्यायालय

(ख) निम्नलिखित शब्दों को समस्त पद बनाकर समास का

नाम

(i) नत है जो मस्तक

(ii) दूसरों पर उपकार

View Text Solution

5. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए:

आड़े हाथों लेना, हाथ मलना।

View Text Solution

6. "बिहारी के दोहे' के आधार पर लिखिए कि गोपियाँ श्रीकृष्ण की बाँसुरी क्यों छिपा लेती हैं ?

View Text Solution

7. अपने पुराने मकान का विवरण देते हुए उसकी बिक्री के लिए लगभग 25 शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए।

View Text Solution

Delhi Term Ii Set Iii

1. निर्देशानुसार वाक्य रुपान्तरण कीजिए :

चाय तैयार हुई, उसने वह प्याले में भरी, फिर वे प्याले हमारे सामने रख दिए। (मिश्र वाक्य में)

View Text Solution

2. निर्देशानुसार वाक्य रुपान्तरण कीजिए :

दरवाजा खुलने पर वह अन्दर आ गया । (संयुक्त वाक्य में)

View Text Solution

3. निर्देशानुसार वाक्य रुपान्तरण कीजिए :

वह व्यक्ति बहुत बीमार था, जिसे मैंने आज देखा । (सरल वाक्य में)

View Text Solution

4. (क) निम्नलिखित शब्दों का विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए

(i) अन्नजल (ii) समाचार-वाचन

(ख) निम्नलिखित शब्दों का समस्त पद बनाकर सपास का

नाम लिखिए :

(i) गंगा का जल (ii) चंद्र जैस मुख

View Text Solution

5. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए-

साँस थमना, दाँतों पसीना आना।

View Text Solution

6. 'बिहारी के दोहे' के आधार पर लिखिए कि किन प्राणियों में स्वाभाविक बैर है ? वे आपसी बैर कब और क्यों भूल जाते है ?

View Text Solution

7. अपने पिताजी की पुरानी कार की बिक्री हेतु विवरण देते हुए लगभग 25 शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए।

View Text Solution